જા.ક્ર. ૭૦/૨૦૧૬-૧૭

જગ્યાનું નામ : સરકારી કોલેજો માં હિન્દી વિષયના મદદનીશ પ્રાધ્યાપક, વર્ગ-૨

ભાગ-૧ અને ભાગ-૨ ના ૧૫૦ મિનિટના સંયુક્ત પ્રશ્નપત્રની પ્રાથમિક કસોટીનો અભ્યાસક્રમ

પ્રાથમિક કસોટીનો અભ્યાસક્રમ ભાગ-૧ માધ્યમ: ગુજરાતી	કુલ ગુણ :૧૦૦
૧	ભારતની ભૂગોળ- ભૌગોલિક, આર્થિક, સામાજિક, કુદરતી સંસાધન અને વસ્તી અંગેની બાબતો- ગુજરાતના ખાસ સંદર્ભ સાથે
૨	ભારતનો સાંસ્કૃતિક વારસો- સાહિત્ય, કલા, ધર્મ અને સ્થાપત્યો- ગુજરાતના ખાસ સંદર્ભ સાથે
૩	ભારતનો ઈતિહાસ- ગુજરાતના ખાસ સંદર્ભ સાથે
૪	ભારતની અર્થવ્યવસ્થા અને આયોજન
૫	ભારતીય રાજનીતિ અને ભારતનું બંધારણ: (૧) આમુખ (૨) મૂળભૂત અધિકારો અને ફરજો (૩) રાજ્યનીતિના માર્ગદર્શક સિદ્ધાંતો (૪) સંસદની રચના (૫) રાષ્ટ્રપતિની સત્તા (૬) રાજ્યપાલની સત્તા (૭) ન્યાયતંત્ર (૮) અનુસૂચિત જાતિ, અનુસૂચિત જનજાતિ અને સમાજના પછાત વર્ગો માટેની જોગવાઈઓ (૯) એટર્ની જનરલ (૧૦) નીતિ આયોગ (૧૧) પંચાયતી રાજ (૧૨) નાણા પંચ (૧૩) બંધારણીય તથા વૈધનિક સંસ્થાઓ- ભારતનું ચૂંટણી પંચ, સંઘ લોક સેવા આયોગ, રાજ્ય લોક સેવા આયોગ, કોમ્પ્ટ્રોલર એન્ડ ઓડિટર જનરલ; કેન્દ્રીયસતર્કતા આયોગ, લોકપાલ તથા લોકાયુક્ત અને કેન્દ્રીય માહિતી આયોગ
૬	સામાન્ય બૌદ્ધિક ક્ષમતા કસોટી
૭	સામાન્ય વિજ્ઞાન, પર્યાવરણ અને ઈન્ફર્મેશન એન્ડ કોમ્યુનિકેશન ટેકનોલોજી
૮	ખેલ જગત સહિત રોજબરોજના પ્રાદેશિક, રાષ્ટ્રીય અને આંતરરાષ્ટ્રીય મહત્વના બનાવો

****

Syllabus of Preliminary Test

part-1

Medium: Gujarati Total Marks- 100

1	Geography of India-Physical, Economic, Social, Natural Resources and population related topics- with special reference to Gujarat
2	Cultural heritage of India-Literature, Art, Religion and Architecture- with special reference to Gujarat
3	History of India with special reference to Gujarat
4	Indian Economy and Planning
5	Indian Polity and the Constitution of India: (1) Preamble (2) Fundamental Rights and Fundamental Duties (3) Directive Principles of State Policy (4) Composition of Parliament (5) Powers of the President of India (6) Powers of Governor (7) Judiciary (8) Provisions for Scheduled Castes, Scheduled Tribes and backward classes of the society (9) Attorney General (10) NITIAayog (11) Panchayati Raj Institutions (12) Finance Commission (13) Constitutional and Statutory Bodies: Election Commission of India, Union Public Service Commission, State Public Service Commission, Comptroller and Auditor General; Central Vigilance Commission, Lokpal and Lokayukta, Central Information Commission
6	General Mental Ability
7	General Science, Environment and Information & Communication Technology
8	Daily events of Regional, National and International Importance including Sports

****

જાહેરાત ક્રમાંક ૭૦/૨૦૧૬-૧૭

ભાગ-૨ સંબધિત વિષયનો અભ્યાસક્રમ

જગ્યાનું નામ : સરકારી કોલેજોમાં હિન્દી વિષયના મદદનીશ પ્રાધ્યાપક, વર્ગ-૨

કુલ પ્રશ્નો ૨૦૦ કુલ ગુણ ૨૦૦ **माध्यम: हिन्दी**

1. हिन्दी भाषा और उसका विकास

अपभ्रंष (अवहट्ट सहित) और पुरानी हिन्दी का सम्बन्ध, काव्यभाषा के रूप में अवधी का उदय और विकास, काव्यभाषा के रूप में ब्रजभाषा का उदय और विकास, साहित्यिक हिन्दी के रूप में खडी बोली का उदय और विकास, मानक हिन्दी का भाषा वैज्ञानिक विवरण (रूपगत), हिन्दी की बोलिया-वर्गीकरण तथा क्षेत्र, नागरी लिपि का विकास और उसका मानकीकरण ।

हिन्दी प्रसार के आन्दोलन, प्रमुख व्यक्तियों तथा संस्थाओ का योगदान, राजभाषा के रूप में हिन्दी।

हिन्दी भाषा प्रयोग के विविध रूप-बोली, मानकभाषा, सम्पर्कभाषा, राजभाषा और राष्ट्रभाषा, संचार माध्य और हिन्दी।

2. हिन्दी साहित्य का इतिहास

हिन्दी साहित्य का इतिहास-दर्शन, हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की पध्धतिया ।

हिन्दी साहित्य के प्रमुख इतिहास-ग्रन्थ, हिन्दी के प्रमुख साहित्यिक केन्द्र, संस्थाएँ एँवं पत्र पत्रिकाएँ, हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल-विभाजन और नामकरण ।

आदिकाल: हिन्दी साहित्य का आरम्भ कब और कैसे ? रासो-साहित्य, आदिकालीन हिन्दी का जैन साहित्य, सिध्ध और नाथ साहित्य, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विध्यापति और उनकी पदावली, आरम्भिक गध्य गध्य तथा लौकिक साहित्य ।

मध्यकाल : भक्ति-आंदोलन के उदय के सामाजिक-सांस्कृतिक कारण, प्रमुख निर्गुण एँवं सगुण सम्प्रदाय, वैष्णव भक्ति की सामाजिक-सास्कृतिक पृष्ठभूमि, आलवार सन्त, प्रमुख सम्प्रदाय और आचार्य, भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्त :प्रादेशिक वैशिष्ट्य ।

हिन्दी सन्त काव्य:सन्त काव्य का वैचारिक आधार, प्रमुख निर्गुण सन्त कवि कबीर, नानक, दादू, रैदास,सन्त काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, भारतीय धर्म साधना में सन्त कवियों का स्थान ।

हिन्दी सूफी काव्य :सूफी काव्य का वैचारिक आधार, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य- मुल्ला दाउद(चन्दायन), कुतुबन(मिरगावती), मंझन(मधुमालती), मलिक मुहम्मद जायसी (पदमावत), सूफी प्रेमाख्यानकों का स्वरूप, हिन्दी सूफी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ ।

हिन्दी कृष्ण काव्य : विविध सम्प्रदाय, वल्लभ सम्प्रदाय, अष्टछाप, प्रमुख कृष्ण-भक्त कवि और काव्य, सूरदास (सूरसागर), नन्ददास (रास पंचाध्यायी), भ्रमरगीत परम्परा, गीति परम्परा और हिन्दी कृष्ण काव्य- मीरा और रसखान ।

हिन्दी राम काव्य:विविध सम्प्रदाय, राम भक्ति शाखा के कवि और काव्य, तुलसीदास की प्रमुख कृतियां, काव्य रूप और उनका महत्व ।

रीति काल :सामाजिक-सास्कृतिक परिप्रेक्ष्य, रीतिकाव्य के मूल स्त्रोत, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृतियां, रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व, रीतिमुक्त काव्यधारा, रीतिकाल के प्रमुख कवि:केशवदास, मंतिराम, भूषण, बिहारीलाल, देव धनानन्द और पदमाकार, रीतिकाव्य में लोकजीवन ।

आधुनिक काल:हिन्दी गध्य का उद्भव और विकास ।

भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य 1857 की राज्य क्रान्ति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेन्दु और उनका मंऍडल, 19 वीं शताब्दी के उत्तरार्ध्य की हिन्दी पत्रकारिता ।

द्रिवेदी युग : महावीर प्रसाद द्रिवेदी और उनका युग, हिन्दी नवजागरण और सरस्वती, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवि, स्वच्छन्दतावाद और उसके प्रमुख कवि ।

छायावाद और उसके बाद :छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, छायावाद के प्रमुख कवि :प्रसाद, निराला, पन्त और महादेवी, उत्तर छायावादी काव्य और उसके प्रमुख कवि, प्रगतिशील काव्य और उसके प्रमुख कवि, प्रयोगवाद और नइ कविता, नइ कविता के कवि, समकालीन कविता, समकालिन साहित्यिक पत्रकारिता ।

द्रिवेदी युग : महावीर प्रसाद द्रिवेदी और उनका युग, हिन्दी नवजागरण और सरस्वती, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्य धारा, राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवि, स्वच्छदतावाद और उसके प्रमुख कवि ।

छायावाद और उसके बाद : छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, छायावाद के प्रमुख कवि : प्रसाद, निराला, पन्त और महादेवी, उत्तर छायावादी काव्य और उसके प्रमुख कवि, प्रगतिशील काव्य और उसके प्रमुख कवि, प्रयोगवाद और नइ कविता के कवि, समकालीन कविता, समकालिन साहित्यिक पत्रकारिता ।

3. हिन्दी साहित्य की गध्य विधाएँ

हिन्दी उपन्यास :प्रेमचन्द पूर्व उपन्यास, प्रेमचन्द और उनका युग, प्रेमचन्द के परवर्ती प्रमुख उपन्यासकार :जैनेन्द्र, अज्ञेय, हजारी प्रसाद द्रिवेदी, यशपाल, अमृतलाल नागर, फणीश्वरनाथ रेणु, भीष्म साहनी, कृष्णा सोबती, निर्मल वर्मा, नरेश मेहता, श्रीलाल शुक्स, राही मासूम रजा, रांगेय राघव, मन्नू भंन्डारी ।

हिन्दी कहानी: बीसवी सदी की हिन्दी कहानी और प्रमुख कहानी आन्दोलन.

हिन्दी नाटक : हिन्दी नाटक और रंगमंच, विकास के चरण और प्रमुख नाट्यकृतियां :अंधेर नगरी, चन्द्रगुप्त, अंधायुग, आधे-अधूरे, आठवां सर्ग, हिन्दी ऍकांकी ।

हिन्दी निबन्ध : हिन्दी निबंन्ध के प्रकार और प्रमुख निबन्धकार-रामचन्द्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्रिवेदी, कुबेरनाथ राय, विद्यानिवास मिश्र, हरिशंकर परसाइ ।

हिन्दी आलोचना :हिन्दी आलोचना का विकास और प्रमुख आलोचक :रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे वाजपेयी, हजारी प्रसाद द्रिवेदी, रामविलास शर्मा, डो.नामवर सिंह, विजयदेव नारायण साही ।

हिन्दी की अन्य गध्य विधाएँ :रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा-साहित्य, आत्मकथा, जीवनी और रिपोर्ताज ।

4. काव्य शास्त्र और आलोचना

भरत मुनि का रस सूत्र और उसके प्रमुख व्याख्याकार ।

रस के अवयव ।

साधारणीकरण ।

शब्द शक्तियां और ध्वनि का स्वरूप ।

अलंकार-यमक, श्लेष, वक्रोत्कि, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, संदेह, भ्रान्तिमान, अतिशयोक्ति, अन्योक्ति, समासोक्ति, अत्युक्ति, विशेषोक्ति, दृष्टांत, उदाहरण, प्रतिवस्तूर्पमा, निदर्शना, अर्थान्तरन्यास, विभावना, असंगति तथा विरोधाभास ।

रीति, फन्तासी, कल्पना, प्रतीक और बिम्ब ।

स्वच्छन्दतांवाद और यथार्थवाद, संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता ।

समकालीन आलोचना की कतिपय अवधारणाएँ : विडम्बना(आयरनी), अजनबीपन(णलियनेशन), विसंगति(णब्सग्ड), अन्तर्विरोध(पैराडोक्स), विशण्डन(डीकन्म्ट्रक्शन) ।

5. **भक्ति काव्य की पूर्व-पीठिका, सिध्ध जैन नाथ साहित्य, पदावली, तथा लौकिक साहित्य ।**

   भक्ति काव्य का स्वरूप, भेद, निर्गुण-सगुण का सम्बन्ध, साम्य और वैषम्य।

   कबीर : भक्ति-भावना, समाज-दर्शन, विद्रोह-भावना, काव्य-कला ।

   जायसी : प्रेम-भावना, लोक तत्व, कथानक रुढि, काव्य- द्रृष्टि ।

   सूरदास : भक्ति-भावना, वात्सल्य-वर्णन, गीति-तत्व ।

   तुलसीदास : भक्ति-भावना, सामाजिक-सास्कृतिक द्रृष्टि, लोकमंगल, काव्य-द्रृष्टि ।

6. **सामाजिक-सांस्कृतिक द्रृष्यि, प्रमुख प्रवृत्तिया, विविध काव्य-धाराएँ ।**

   केशव : आचार्यत्व, काव्य- द्रृष्टि, संवाद-योजना ।

   बिहारी : सौन्द्रय-भावना, बहुज्ञता, काव्य-कला ।

   भूषण : युग-बोध, अन्तर्वस्तु, काव्य- द्रृष्टि ।

7. **आधुनिकता :अवधारणा** और सके उदय की पृष्ठभूमि, हिन्दी पुनर्जागरण और भारतेन्दु ।

   महावीर प्रसाद द्रिवेदी : नवजागरण, काव्य भाषा के रुप मे खडी बोली की प्रतिष्ठा, हरिऔध, मैथिलीशरण गुप्त ।

   छायावाद : सामाजिक-सांस्कृतिक द्रृष्टि, वैचारिक पृष्ठभूमि, स्वाधीनता की प्रसाद :जीवन-दर्शन, सांस्कृतिक द्रृष्टि, प्रगति-चेतना ।

   पंत : प्रकृति-चित्रण, काव्य-यात्रा, काव्य-भाषा ।

   निराला : सामाजिक-सांस्कृतिक द्रृष्टि, प्रगति-चेतना, मुक्त छंद ।

   महादेवी : वेदना त्त्व, प्रगीति, प्रतिक-योजना ।

8. **वैचारिक पृष्ठभूमि, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद ।**

   प्रगतिवाद :सामाजिक द्रृष्टि, नागार्जुन-यथार्थ चेतना और लोक-द्रृष्टि, केदारनाथ अग्रवाल-प्रकृति चित्रण और सौन्दर्य बोध ।

   प्रयोगवाद : व्यष्टि-चेतना, अज्ञेय- प्रयोगधर्मिता और काव्य-भाषा ।

   नयी कविता :व्यष्टि-समष्टि-बोध, मुक्तिबोध- समाज-बोध, फैंटसी ।

   समकालीन कविता : काल संसक्ति और लोक संसक्ति, रघिवीर सहाय-राजनीतिक चेतना, काव्य-भाषा, कुंवर नारायण-मिथकीय चेतना, काव्य-द्रृष्टि ।

9. **गल्प और इतिहास, कल्पना और यथार्थ ।**

प्रेमचन्द पूर्व हिन्दी उपन्यास : परीक्षा गुरु, चन्द्रकांता-वस्तु और शिल्प ।

प्रेमचन्द युगीन उपन्यास : गोदान- मुख्य पात्र, यथार्थ और आदर्श, वस्तु-शिल्प वैशिष्ट्य ।

प्रेमचन्दोत्तर उपन्यास : शेखर णक जीवनी- वस्तु शिल्पगत वैशिष्ट्य, मैला आंचल- वस्तु शिल्प, आंचलिकता ।

बाणभट्ट की आत्मकथा-इतिहास और संस्कृति चेतना, भाषा-शिल्प वैशिष्टय

कहानी और प्रमुख कहानीकार- प्रेमचन्द और प्रसाद की कहानी-कला,

प्रेमचन्दोत्तर हिन्दी कहानी और नयी कहानी, संवेदना और शिल्प ।

10.**हिन्दी नाटक और भारतेन्दु** : भारत-दुर्दशा, अंधेर नगरी, यथार्थ बोध ।

प्रसाद के नाटक : चन्द्रगुप्त, ध्रुवस्वामिनी, राष्ट्रीय और सांस्कृतिक चेतना, नाट्य-शिल्प ।

प्रसादोत्तर नाटक :अंधायुग, आधे-अधूरे- आधुनिकता बो, प्रयोगधर्मिता और नाट्य-भाषा ।

निबन्ध और प्रमुख निबन्धकार : बालकृष्ण भट्ट, रामचन्द्र शुक्ल, चिन्तामणि, अन्तर्वस्तु और शिल्प ।

शुक्लोत्तर निबन्ध और निबंन्धकार : हजारी प्रसाद द्रिवेदी, कुबेरनाथ राय, विद्यानिवास मिश्र, संस्कृति-बोध, लोक-संस्कृति ।

11.काव्य-हेतु और काव्य-प्रयोजन ।

प्रमुख सिध्धांत- रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोत्कि और औचित्य-सामान्य परिचय ।

रस निष्पति ।

हिन्दी काव्य शास्त्र का इतिहास ।

आधुनिक हिन्दी आलोचना और प्रमुख-रामचन्द्र शुक्ल और रस-दृष्टि तथा लोकमंगल की अवधारणा, नन्ददुलारे वाजपेयी-सौष्ठववादी आलोचना. रामविलास शर्मा-माक्र्सवादी समीक्षा ।

12. प्लेटो और अरस्तू का अनुकरण सिध्धांत तथा अरस्तू का विरेचन सिन्धात।

लोंजाइनस :काव्य में उदात्त तत्व ।

क्रोंचे का अभिव्यंजनावाद ।

आइ.ऍ.रिचर्डस- संप्रेषण सिध्धांत ।

नयी समीक्षा ।

13.कबीर-हजारी प्रसाद द्रिवेदी-दोहा-पद सं.160-209

जायसी ग्रंथावली-सं,रामचन्द्र शुक्ल- नागमती वियोग खण्ड

सूरदास-भ्रमरगीत-सार-सं. रामचन्द्र शुक्ल 21 से 70 तक

तुलसीदास- उत्तरकाण्ड, रामचरितमानस-गीता प्रेस, गोरखपुर
प्रसाद-कामायनी-श्रध्धा, इडा सर्ग
निराला-राम की शक्ति पूजा, कुकुरमुत्ता
अज्ञेय-असाध्यवीणा, नदी के द्वीप
मुक्तिबोध-अंधेरे मे ।

14. **प्रेमचन्द-गोदान**

अज्ञेय-शेखर णक जीवनी, भाग-1

प्रसाद-चन्द्रगुप्त

मोहन राकेश- आधे-अधूरे ।

15. भक्ति काव्य : स्वरूप और भेद, निर्गुण और सगुण का सम्बन्ध : साम्य और वैषम्य ।

कबीर : निर्गु का स्वरूप, कबीर के राम और तुलसी के राम में अन्तर, रहस्य साधना, कबीर का समाज दर्शन और उनकी प्रासंगिकता, कबीर : कवि के रूप में ।

जायसी : सांसक्तिक द्ष्टि, पर्म-भावना, पद्मावत के लोक-तत्व, संस्कृति, प्रकृति-चित्रण, सौन्दर्य द्ष्टि, रूपक तत्व ।

सूरदास : भक्ति-भावना, माधुर्य और और शृगांर वर्णन, लोक-तत्व, सौन्दर्य-बोध, प्रकृति-चित्रण, भ्रमरगीत, अंतर्वस्तु और विदग्धता, गीति-तत्व, लीला-भाव, बाल-लीला वर्णन का वैशिष्टय ।

तुलसीदास : तुलसी की रचनाएॅ, भक्ति-दर्शन, मानस की प्रबन्ध कल्पना, मर्यादा भाव, चित्रकूट ,भा का महत्व, सामाजिक-पारिवारिक आदर्श, युग-बोध मराज्य की परिकल्पना, तुलसी का काव्य-द्ष्टि ।

16. स्वच्छन्दतावाद और छायावाद, छायावाद में रहस्यानुभूति का स्वरूप, छायावादी कविता म स्वच्छन्द कल्पना, छायावादी कवियों की राष्ट्रीय-सामाजिक-सास्कृतिक चेतना, छायावादी काव्य में नारी छायावादी कवियों का सौन्दर्य-बोध, छायावादी काव्य में प्रगीति तत्व । छायावाद की काव्य-भाषा, छायावाद : शक्ति काव्य, प्रबन्ध कल्पना की नवीनता ।

प्रसाद का जीवन दर्शन, समरसता और आनन्दवाद, सौन्दर्य बोध, कामायनी में रूपक तत्व, कामायनी का प्रबन्ध विन्यास, कामायनी का आधुनिक सन्दर्भ, कामायनी की विश्व-दृष्टि ।

निराला के प्रगति, निराला की प्रगति चेतना, निराला के प्रयोग के विविध आयाम, लम्बी कविताएँ, राम की शक्ति-पूजा, बादव राग कुकुरमुत्ता, मुक्त छन्द : अवधारणा और प्रयोग ।

पन्त की काव्य-यात्रा के विविध सोपान-पल्लव की भूमिका, प्रकृति-चित्रण, कल्पनाशीलता, सौन्दर्य चेतना, पन्त की काव्य-भाषा ।

महादेवी के काव्य में रहस्यवाद, वेदना भाव, गीति-तत्व, महादेवी की काव्य-भाषा-बिम्ब विधान ।

17. मध्य वर्ग का उदय और उपन्यास, उपन्यास और यथार्थ तथा उसके विविध रूप, उपन्यास में इतिहास, कल्पना और आधुनिकता ।

प्रेमचन्द पूर्व हिन्दी उपन्यास, हिन्दी उपन्यास और स्वाधीनता आन्दोलन, स्वाधीन भारत के प्रमुख हिन्दी उपन्यास, हिन्दी उपन्यास में नायक और नायिका की अवधारणा तथा उसके बदलते स्वरूप, हिन्दी उपन्यास में शिल्पगत प्रयोग ।

गोदान और भारतीय किसान, गोदान में गांव और शहर, महाकाव्यातमक उपन्यास की परिकल्पना, गोदान के मुख्य चरित्र, गोदान में यथार्थ और आदर्श, गोदान का शिल्प ।

शेखर णक जीवनी में शेखर के चरित्र का वैशिष्टय, भाषा और शिल्पगत प्रयोग, वस्तु व्यंजना, उपन्यास और काव्यात्मकता, मनोवैज्ञानिक आयाम।

बाणभट्ट की आत्मकथा, आत्मकथा का तात्पर्य, इतिहास और कल्पना, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आधुनिकता, निपुणिका और नारी-मुक्ति की आकांक्षा, भाषा-सौष्ठव ।

मेला आंचल-आंचलिक उपन्यास की अवधारणा, वस्तु विन्यास और शिल्प, लोक-संस्कृति और भाषा, ग्राम जीवन में होनेवाले आर्थिक राजनैतिक परिवर्तन और सामाजिक गतिशीलता का चित्रण ।

हिन्दी कहानी-प्रेमचन्द, प्रसाद, जैनेन्द्र, प्रेमचन्दोत्तर युग की कहानी, नइ कहानी, समकालीन कहानी, शिल्प और संवेदना ।

कथा-साहित्य में स्त्री विमर्श, दलित विमर्श ।

18. काव्य के लक्षण : शब्दार्थौ सहितौ काव्यम् (भामह), तद्दोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुन : कापि (मम्ट), वाक्य रसात्मंक काव्यम् (विश्वनाथ), रमणीयार्थ-प्रतिपादक : शब्द : काव्यम्(पण्डितराज जगन्नाथ), काव्य की आत्मा ।

विविध सम्प्रदाय, प्रमुख सिध्धान्त-रस, अलंकार रीति, ध्वनि वक्रोक्ति और औचित्य ।

रस का स्वरूप और साधारणीकरण ।

सह्रदय की अवधारणा ।

19. हिन्दी आलोचना-रामचन्द्र शुक्ल और उनके आलोचनात्मक प्रतिमान ।

शुल्कोत्तर समीक्षा और समीकक्ष-हजारी प्रसाद द्रिवेदी, नन्ददुलारे वाजपेयी, डो. रामविलास शर्मा, डो. नामवर सिंह, विजयदेव नारायण साही, समकालीन आलोचना ।

20. प्लेटो और अरस्तू का अनुकरण सिध्धान्त तथा अरस्तू का विरेचन सिध्धांत।

बड्सवर्थ का काव्य-भाषा सिध्धांत ।

कालरिज कल्पना और फेन्सी ।

आइ.ण.रिचड्स-मूल्य सिद्दान्त तथा काव्य-भाषा सिध्धांत ।

टी.णस. इलिणट-निर्वैत्किता का सिध्धांत, वस्तुनिष्ठ सह-सम्वन्धी, परम्परा की अवधारणा ।

रुसी-रुपवाद, नयी समीक्षा ।

संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता, विखण्डनवाद ।